



Harit Sanjivani Crop Schedule

फसल : किन्नु (Kinnow)

किन्नु का बहार लेने का समय : फरवरी से मार्च, किन्नु फसल का अवधी : 300 से 330 दिन

| हरित संजीवनी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल कैसे और कब करे | |
|--|--|
| <p>किन्नु नर्सरी के लिए गार्डन गोल्ड 50 ग्राम + सोइल हेल्थ स्पेशल 5 ग्राम प्रति बीज या पौधे के लिये इस्तेमाल करें।</p> <p>किन्नु की रोपाई करते समय पौधों की जड़ों में डिफेंड 3 ग्राम + स्प्रे मैक्स 1 ग्राम प्रति लीटर पानी का घोल तैयार करके ड्रेंचिंग करें।</p> | |
| <p>पौधों की ग्रोथ और विकास के लिये 3 से 4 माह में एक बार हरित संजीवनी सोइल हेल्थ स्पेशल 500 ग्राम प्रति एकड़ के लिये जमीन में इस्तेमाल करे। 30 – 30 दिनों के अंतराल में फ्रूट स्पेशल 1 से 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स – 85 1 मिली प्रति लीटर पानी के प्रमाण में लेकर छिड़काव करे। इसमें जरूरत के अनुसार रेपिड 2 मिली और डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के प्रमाण मिलाकर छिड़काव कर सकते है।</p> | |
| हरित संजीवनी के प्रोडक्ट्स | कब और कैसे इस्तेमाल करे |
| <p>बहार पकड़ना मतलब विश्राम के बाद या पत्ते झड़ने के बाद नये पत्ते व फूलों के लिये पहला पानी देकर बहार ट्रीटमेंट शुरू करना।</p> | |
| <p>हरित संजीवनी सोइल हेल्थ स्पेशल 500 ग्राम के 2 पाउच या 25 ग्राम प्रति पौधा (प्रती एकड़)</p> | <p>किन्नु का बहार पकड़ते समय या बहार पकड़ने से 30 दिनों तक किसी भी रासायनिक तथा ओरगेनिक खाद में मिलाकर अथवा 40 से 50 किलो सुखी मिट्टी में तथा ड्रिप इरिगेशन अथवा ड्रेंचिंग द्वारा जमीन में दे सकते है।</p> |
| <p>हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल 1 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी रेपिड डिफेंड</p> | <p>बहार पकड़ने से 20 से 25 दिनों में छिड़काव करे। (पत्तों की विकास अवस्था) रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी</p> |
| <p>हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल 1 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी रेपिड डिफेंड</p> | <p>फ्रूट स्पेशल का पहला छिड़काव करने के बाद 15 से 20 दिनों में छिड़काव करे। (फूलों की अवस्था) रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी</p> |
| <p>हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी रेपिड डिफेंड</p> | <p>फ्रूट स्पेशल का दूसरा छिड़काव करने के बाद 15 से 20 दिनों में छिड़काव करे। (फ्रूट सेटिंग अवस्था) रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी</p> |



Harit Sanjivani Crop Schedule

| | |
|---|---|
| हरित संजीवनी सोईल हेल्थ स्पेशल 500 ग्राम के 2 पाउच (प्रती एकड़) | फ्रूट सेटिंग अवस्था में किसी भी रासायनिक तथा ओरगेनिक खाद में मिलाकर अथवा 40 से 50 किलो सुखी मिट्टी में तथा ड्रिप इरिगेशन अथवा ड्रेंचिंग द्वारा जमीन में दे सकते हैं। |
| हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी रेपिड (जरूरत के अनुसार) डिफेंड | फ्रूट स्पेशल का तिसरा छिड़काव करने के बाद 25 से 30 दिनों में छिड़काव करें। (फलों की विकास अवस्था) रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी |
| हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी रेपिड (जरूरत के अनुसार) डिफेंड | फ्रूट स्पेशल का चौथा छिड़काव करने के बाद 25 से 30 दिनों में छिड़काव करें। (फलों की विकास अवस्था) रस चूसक किटकों के लिये रेपिड 2 मिली प्रति लीटर पानी फफूंद को रोकने के लिये डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी |
| इस छिड़काव के बाद फलों की विकास अवस्था में हर 25 से 30 दिनों के अंतराल में फ्रूट स्पेशल 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली प्रति लीटर पानी के प्रमाण में छिड़काव करें। इसमें जरूरतों के अनुसार रेपिड 2 मिली और डिफेंड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के प्रमाण में मिलाकर छिड़काव कर सकते हैं। | |
| स्प्रे मैक्स-85 500 मिली प्रति एकड़ की मात्रा में ड्रिप इरिगेशन या ड्रेंचिंग द्वारा दे सकते हैं। | |

मुख्य एवं सूक्ष्म अन्नतत्व

| पेड़ की उम्र (साल) | गोबर खाद / कंपोस्ट खाद (किलोग्राम) (प्रति पौधा) | यूरिया (ग्राम) मात्रा प्रति पौधा | सिंगल सुपर फोस्फेट (ग्राम) मात्रा प्रति पौधा | म्युरेट ऑफ पोटाश (ग्राम) मात्रा प्रति पौधा | ज़िंक सल्फेट (ग्राम) मात्रा प्रति पौधा |
|-----------------------|--|---|---|---|--|
| 1 साल | 10 | 125 | 100 | 250 | 35 |
| 2 साल | 15 | 250 | 150 | 350 | 70 |
| 3 साल | 20 | 250 | 200 | 500 | 400 |
| 4 साल | 20 | 350 | 250 | 750 | 650 |
| 5 साल | 20 | 500 | 300 | 850 | 1000 |
| 6 से 7 | 30 | 600 | 400 | 1000 | 1250 |
| 8 साल या अधिक | 40 | 1920 | 2750 | 4000 | 1500 |

सूक्ष्म अन्नद्रव्य :-



Harit Sanjivani Crop Schedule

1. मिक्स प्रायक्रोन्यूट्रियंट्स प्रति पेड़ 50 ग्राम की मात्रा में गोबर की खाद में या कंपोस्ट खाद में मिलाकर देना।
2. रूट नोट न्युम्याटोड के लिए नीम पेंड 500 ग्राम प्रति पेड़ मात्रा में इस्तेमाल किजिए।
3. ट्राइकोडर्मा, स्यूडोमोनास, स्फुरद घुलनशील जीवाणु, अँजोटोबैक्टर जैसी जैविक खाद प्रति पेड़ 50 ग्राम की मात्रा में गोबर या कंपोस्ट खाद में मिलाकर दिजिए।

| किन्नु पर आनेवाली बीमारियाँ और उपचार | किन्नु पर आनेवाली बीमारियाँ और उपचार |
|---|---|
| <p>फफूंद :</p> <p>1) फायटोथोरा (Gummosis)</p>  <p>उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर) डिफेंड 2 ग्राम + मेटालेक्झील(+)मँकोझेब 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली ट्रैचिंग : डिफेंड 2 ग्राम + मेटालेक्झील 35% 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली</p> | <p>2) सर्कोस्पोरा</p>  <p>उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर) डिफेंड 2 ग्राम + मेटालेक्झील(+)मँकोझेब 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली</p> |
| <p>3) अल्टरनेरिया</p>  <p>उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर) डिफेंड 2 ग्राम + कार्बेन्डाज़िम(+)मँकोझेब 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली</p> | <p>4) स्काब</p>  <p>उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर) डिफेंड 2 ग्राम + कैप्टन 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली</p> |
| <p>5) अंध्राक्नोज</p>  <p>उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर) डिफेंड 2 ग्राम + हेक्साकोनाझोल(+)झिनेब 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली</p> | <p>6) लेप्रोसिस</p>  <p>उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर) डिफेंड 2 ग्राम + हेक्साकोनाझोल(+)कैप्टन 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली</p> |
| <p>7) मेलानोज</p> <p>उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर)</p> | <p>8) ग्रेसी स्पॉट</p> <p>उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर)</p> |

डिफेंड 2 ग्राम + मेटालैक्झील(+)मँकोझेब 2 ग्राम +
स्प्रे मैक्स-85 1 मिली



डिफेंड 2 ग्राम + कैप्टन 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1
मिली



9) बैक्टेरियम स्प्रेड बाय आफिड्स (Green Hanglongbing)

उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर)

1) **रेपिड 2 मिली + डिफेंड 2 ग्राम + प्रोपिनेब 2 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85** – 1 मिली

2) **फ्रूट स्पेशल 2 ग्राम + चीलेटेड झिंक 1 ग्राम + 13:40:13 – 5**
ग्राम + स्प्रे मैक्स 85 1 मिली



10) बैक्टेरियल ब्लाइट : कैंकर



उपचार : छिड़काव (मात्रा प्रति लीटर)

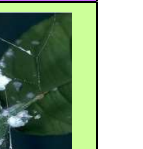
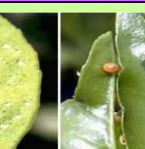
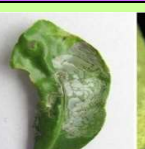
(ड्रिप इरिगेशन द्वारा **फ्रूट स्पेशल 1 किलो** प्रति एकड़ की मात्रा में जमीन में दे।)

1) कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 50%डब्लू पी 2 ग्राम + स्ट्रेप्टोसायक्लीन – 6 ग्राम प्रति 50 लिटर + स्प्रे मैक्स -85 – 1 मिली

2) **डिफेंड 2 ग्राम + कैप्टन 2 ग्राम + स्ट्रेप्टोसायक्लीन – 6 ग्राम प्रति 50 लिटर + स्प्रे मैक्स -85 – 1 मिली**

रस चूसक कीट:

उपचार : (मात्रा प्रति लीटर) : **रेपिड 2 मिली + स्प्रे मैक्स-85** 1 मिली



Leaf minor

Whitefly

Citrus Psylla

Citrus mealy bug

मिलिबग : उपचार : (मात्रा प्रति लीटर)

रेपिड 1.5 मिली + क्लोथियानिडीन(डेनटोत्सु) 0.4 ग्राम + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली



| | |
|----------------------------|--|
| कीट : | कीट नाशक : (मात्रा प्रति लीटर पानी) |
| फ्रूट बोरर | इमामेक्टिन 1 ग्रॅम + डायक्लोरव्हास 1 मिली + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली |
| स्टेम बोरर | नोवलुरोन 3 मिली + डायक्लोरव्हास 1 मिली + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली |
| फ्रूट फ्लाई (गोल्डन फ्लाई) | रेपिड 1 मिली + फेन्प्रोपॅथ्रिन 1 मिली + डायक्लोरव्हास 1 मिली + स्प्रे मैक्स-85 1 मिली |
| फ्रूट सकीना मोथ (पतंग) | |

रूट नोट न्यूमातोड : उपचार : (मात्रा प्रति एकड़)

ट्रायकोडर्मा 1 किलो + पेसेलोमायसिस 1 किलो + काला गुड़ 2 किलो (तीनों को 10 ली क्लीन पानी में मिक्स करके प्लास्टिक बकेट या प्लास्टिक बर्तन में एक दिन रखे)

दूसरे दिन 200 लीटर पानी में **सोइल हेल्थ स्पेशल** 500 ग्राम मिक्स करके उसमें ऊपरी 10 लीटर का द्रावण मिक्स करे और पौधों की जड़ों में ड्रैचिंग करें या ड्रिप इरिगेशन द्वारा दे सकते है।



निर्देश : 1) **हरित संजीवनी फ्रूट स्पेशल** किसी भी दवाइयों के साथ मिलाकर छिड़काव कर सकते है, सिर्फ अल्कलाइन दवाइयाँ जैसे कॉपर, सल्फर, बोर्डो मिश्रण के साथ मिलाकर छिड़काव न करे। 2) हर छिड़काव में **स्प्रे मैक्स-85** 1 मिली प्रति लीटर के अनुपात से इस्तेमाल करें। 3) **डिफेंड** को किसी भी दवाइयों के साथ मिलाकर छिड़काव कर सकते है, सिर्फ अल्कलाइन दवाइयाँ जैसे कॉपर, सल्फर, बोर्डो मिश्रण के साथ मिलाकर छिड़काव न करे।

(किन्तु की फसल के लिए दिये गये खाद, अलग अलग बीमारियों और कीटकों के लिए सलाह ये हमारे फिल्ड ट्रायल, किसानों के अनुभव और कृषि विश्वविद्यालयों के अनुभव के नुसार दिये गये है | हर जगह ये जमीन के अनुसार वातावरण के अनुसार इसमें बदलाव हो सकते है।)